अंध विश्वास

प्रश्न सं. 23 ﴾क﴿ जनजातीय लोग किस प्रकार के अंध विश्वासों के आदी हैं ?

उत्तर : निकोबारियों में आरम्भ में पिशाच वध ﴾डेविल मर्डर﴿ तथा जादू-टोना प्रचलित रहे हैं।

23﴾ख﴿ क्या ये अंधविश्वास किसी भी तरह जनजातियों के समाजार्थिक विकास में रुकावट डालते हैं ?

उत्तर : जी नहीं, किसी सार्थक रूप में नहीं।

23 ﴾ग﴿ क्या आपके पास अंधविश्वासों को रोकने के लिए कोई कार्य योजना है और इसके लिए कोई सुधारात्मक उपाय है ?

उत्तर : शिक्षा तथा टी.वी. जैसे प्रचार माध्यम के कारण जनजातियों में बहुत हद तक अन्ध विश्वास समाप्त हो गए हैं।

प्रश्न सं. 24 कृपया संघ राज्य प्रशासन द्वारा हाथ में लिए गए एन.आर.ई.पी आर.एल.ई.जी.पी और जवाहर रोजगार योजना से सम्बन्धित कार्यकलापों को बताएं ?

उत्तर : इस राज्य क्षेत्र के प्रशासन द्वारा एन.आर.ई.पी., आर.एल.ई.जी.पी. तथा जवाहर रोजगार योजना से सम्बन्धित शुरू किए गए कार्यकलापों में मकानों, शौचालयों, आँगनवाड़ी-सह-महिला मण्डलों, सामुदायिक भवनों, जच्चाघरों, मनोरंजन क्लबों तथा खेल के मैदानों का निर्माण शामिल है।

प्रश्न सं. 25 क्या गरीबी हटाओ कार्यक्रम के क्रियान्वयन के बाद जनजातियों के जीवन स्तर में किसी प्रकार का सुधार देखा गया ? यदि ऐसा है तो कुछ उदाहरणों सहित एक संक्षिप्त टिप्पणी प्रस्तुत करें।

उत्तर : पूर्ण रूप से मूल्यांकन करने पर ज्ञात होता है कि निर्धनता कम करने के कार्यक्रम और आदिवासी उपयोजना के कार्यान्वयन के बाद जनजातियों के रहन-सहन के स्तर में सकारात्मक सुधार हुआ है। उदाहरण के लिए पिछले कुछ वर्षों में निकोबारियों के अधिकाधिक परिवारों ने चल और अचल सम्पत्ति अर्जित की है। उन्होंने आधुनिक समाज के खान-पान और वेश-भूषा की अभिरूचि को भी अपने में विकसित किया है। बहुत से निकोबारियों ने खेलकूदों विशेषकर जलक्रीड़ा, फुटबाल और साइकिल चालन आदि में श्रेष्ठता प्रदर्शित की है और कई इनाम जीते हैं। इस सबसे विदित होता है कि जनजातियों के रहन-सहन के स्तर में महत्वपूर्ण सुधार हुआ है।